









म्-वस्-वृभाष नभ

मीभर्ग-ग्रम्-मद्भग-रुगवस्य-परभुगगउ-भुलाभाव-भवः पी०भा म्-िक मु-िक भके ए-पी०भा एगमुन-मी-मद्भग्राट-भ्राभि-मीभ०-भंभूपनभा

॥प्याग-भान-विणिः॥

५०३५ केंगी एनः ७७–कुभुः ०म 13.01-14.02.2025 म्राभनभा। मुक्ता भ्राप्यं + मानुवै। प्राप्या भः। भभेपा ३-मभभु-म् रिउ-क् य-म्वारा म्री-पर मेम्वर-पीटुर्

> उद्भव लग्नं भृद्धिनं उद्भव उप्प-वलं छन्-वलं उद्भव। विम्टु-वलं मैंव-वलं उमेव लक्ती-परः मिस्-यगं भूगिना

> > म्पविदः पविदे वा भवावभुं गंदैऽपि वा। यः भू र प्रशीक वं भ म क कृ हु र म प्रिः॥

भानमं वाग्निकं पापं कर्मण मभ्या चिउभा। म्रिम-भूगल्पनैव वृधेकिं न मंमयः॥

मी-राभ राभ राभ

डिपिविभ्रः उपा वारः नव्हं विभूरिव छ। वेगम करण गैव भन्नं विभूभवं एग उ।

वैर्-णग्न-माभु-पिर्यालन-मरा





रुर रुर मर्द्धर

2

एय एय मरूर

मी-गेविन् गेविन् गेविन् म्हानित् मूह्ण प्रमानित् मूह्ण प्रमानित मूहण मूहण प्रमानित मूहण

Feb	-੫₹	मुरु-उिषी	(पद्धं)	-वाभग-युकुतयां	-नबद्-युकुप्यं	(पद्ध रुं)	-वेग-वृकुः यं	(५८ रूं)	-करः - युकुः यं	(पद्धं नुं)		(५८. रुं)
11	मुक्त	गर्राः मृं	18:56	ह े भ	પૃષ્ટુ	18:33	मुयुभूम्	09:03	गार	• 5:43	विष्ण्य	18:56
12	मुक्त	पेकिभाभृं	19:23	મે°મૃ	ग्र म् धा	19:34	भेष्टागृ	08:04	रुम्	€8:•3	ग व	19:23
13	表	प् षभायां	20:22	गुरु	મખ	21:06	मैरुन	07:28	ग ल व	•?:F∽	के ल व	20:22
14	ጚጟ	म्वि डीया यां	21:53	रुगु	प्रत्र-द्रञ्जनी	23:08	मडिगप्,	07:17	<u> </u>	• 🗸 :• T	गार	21:53
15	ጚጟ	उँडीया यां	23:53	भिर्	उड़्ग-प्रॅब्नुनी	+1:38	भुकर्म	07:30	विष्णर	00:40	इस्	23:53
16	ጚጟ	ग्रुप्रं	+2:16	<u>र</u> ुप	স ্	+4:30	एडि	08:03	ब व	03:• 3	ग ल व	+2:16
17	ጚጟ	प ुभूं	+4:54	उन्	ग्रि श	1	मुल	08:52	के ल व	04:3 ^E	उँडिल	+4:54
18	ጚጜ	प श् <u>ठ</u> ं	/	ह ै भे	ग्रि श	07:34	गंपः	09:49	गार	03:0F	वि ण्ण्य	/
19	ጚጜ	ષષ્ટું ષષ્ટું	07:33	મેં મૃ	भ्राउी	10:38	व .फि	10:45	ৰ শ্দি	•2:33	इस्	20:48
20	ጚጟ	मपुर्भृष्	09:59	गुरु	विमापा	13:29	তু ব	11:31	ब व	·v:40	गलव	23:03
21	ጚጟ	ग्रम्भुं	11:58	रु गु	मनुग ण	15:53	ब्राभाउ	11:56	के ल व	00:43	उँउिल	+0:44
22	表	नवर्भुं	13:20	भ्रि	म्हुंश्र	17:39	रुपु"	11:53	गार	03 :3•	विण्प्ट	+1:44
23	ጚጟ	⊏मभ ुं	13:56	<u>र</u> ुप	भुल	18:41	ৰ শ্	11:16	हम्	03:49	ग व	+1:57
24	ዚቻ	एक <i>६</i> मृं	13:45	उन्	पु रा धा म्हा	18:58	भिम्रि	10:03	ग ल व	03:FY	के ल व	+1:22
25	ጚጟ	सु⊏मृं	12:48	ह ै भे	उउग्रापारा	18:30	<u>ब</u> ृडीपाउ	08:12	₹ 3 3ल	0 3: E 3	गार	+0:03
							व री वे	+5:48				
26	ዚቻ	उ्वे⊏मृं	11:09	મે°મૃ	£un	17:22	પ રિખ	+2:55	विण्प्ट	00:00	इ.म्	22:06
27	ዚቻ	गर्रा मृं	08:55	गुरु	म् विश्व	15:43	मिव	23:39	मकुनि	•3:44	गउभुउ	19:38
	ጚጜ	मभागमायां	+6:15								न गवडा	+6:15

भभेण इ-मभभु-द्वि उ-त्व-म्वा म्वा-प्राम् विष्ण इक्ति विष्ण इम् पम्-पति-भवाम प्राम्य मिन्न भठि मंभार-प्रम् विष्ण इक्ति कर्न्व विष्ण इस् नी उन्न भार मिन्न मिन्न प्राम्य मिन्न प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्न विष्ण इस् नी उन्न भार मिन्न कर्नि प्राप्त कर्म प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्न कर्नि प्राप्त कर्नि क्रि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि प्राप्त कर्नि क्र प्राप्त कर्न कर्नि क्र प्राप्त कर्नि क्र प्राप्त कर्न कर्नि क्र

वॅम्-एम्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 💋 © 8072613857 💋 vdspsabha@gmail.com 🔮 vdspsabha.org

रुर रुर मर्द्वर

<u> भात-मम्,मु-म्मत-मम् वृ-म्वल्य-मभुमु-भुमत-मवृवकार-वृवकार-मुम्पीतं</u> इस न उः मत्त्रा तुरानाभा ब्रह्मनः बमत्त्रा तुरानं गरुभु-तुरानं प्काम-तुरानं पिर-काल-मृत्रभुगनं भहिषं पापानं भम् मर्पनेम्नारं मृति-मृति-प्राण-प्तिपामिः उष् मणिका ग-भिमुद्रं ্য বিন্যুক-বুশ্বী-भाग्य - भिम्ने स्वर-मुम्पि-मृने क-म्पेवरा-क्रम् भित्र पे भरुम् लि क्से प्रान्त रहे ए प्रान्त का भाषी- गञ्ज- इय- मक्क ग्रान्त भाषा भाषा स्त्र प्रिम्प में ... यनु जउया भरभुद्वा भिष्ठ भिष्ठ भिष्ठ-भिष्ठ । भिष्ठ । भूमे द्विष्टं का गीर मुं भेषा - कुभू पत्र लि भुग्नभा ग्रंड किरिम्रेश (ग्रंथ उपसूम्)

भुरुग

र्छ नमें **द्ये**न्द्रिक वा मिडिक ४० व द्विप्ना रम्य ग्राप-रुभुष ग्रिल वेगम नभः॥

भागर-भून-निद्धेष म्पर-रुमु सम्रामुक। रण्यारा-म्संरणम् म्रिना नभाभि द्वं भ्रेष्ट्रा मभभु-एगर एग मह्न-गर् गर गर र्मिक मित्र भभानुहं युभुडा्-डीर्-निघेत्र[™]॥

डीकू-मंध् भकाकाय कला नु-मकनेपभा हरवाय नभपुरुभा यन्हं माउभम्भि॥

दिवलीं भागवं में भे राम्वारं म वाम्किभा। वन् ज्व-वएं मेधं प्यागं डी रू-नायकभा॥

द्वं राष्ट्र भव-डीग्रुनं द्वभव एगउः पिडा। या गिउं डीर् में मिल डीर्-गण नमें भु उँ॥

भरभुडी ए भाविड़ी वैस्-भाडा गरीयभी। भिच ण दी ठवइद डी रूपप-प्रामिति॥

गङ्ग गङ्गिति वे ग्रुवाता विस्तानां महैगि। भुगृउ भव-पाप्ट्रे विभून्तेकं भ गम्ब्रिड॥

भकर ग मिका-नाचे त्य-रामि-भिरं गुरी। प्याग तुभुवेगेऽयं भाष-भाम विष्-बचै॥

यम्रुमेण-मरुम्*र्वे वरस्*पेय-मउप्राधि। प्षिती-मान-लंबाम् कुभुवेगे विमिध्रे॥ वैर-एर्-माभु-परिपाल न-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

Snana should be done silently by uttering only mantras or Bhagavan Nama. Those who do snana in the river, should face against the flow of the river and those who do snana at other places should face the Sun.

Chanting Veda mantras in the following procedures are to be done by those who have learnt them. Others may chant the Bhagavan Nama of their choice or other stotras in praise of Bhagavan as mantras. Snana should not be done without mantras!

मुकुप०नभा

Varuna Sukta is to be chanted. Those who do not know may chant at least the Purusha Sukta. This is a prayer to Varuna before bathing.

भारतम्

म्पे फि प्रा भवेषु वः ...

Saying the above mantras, one should do prokshanam just as in Sandhyavandanam.

म्भभरुलभा

किरएम् कं करं प्पर्यः

The sukta starting as above may be chanted by those who know it. Those who do not know may recite Purusha Sukta here as well. Here one should take at least 12 dips and bathe.

भागाङ्ग-उत्पार्भा भभेपाङ्ग-पीटुर्ग्न्भा मम् पुर्वेकु-विमिक्षण-विमिक्षायाभा ममुग्भा _ मुरुडिषी भागाङ्ग-म्व-एषि-पिरुटुरु लं कि मू॥

After doing this Sankalpa, one should do the tarpana as in Brahmayajna.

स्पर्भा

Then, according to one's capacity, saying the following mantras, offer dakshina to Brahmanas.

> किरए गर्-गर्भं किभी एं विष्वभें। मनन्पुष्ट प्लम्भा मः मानि प्यमू मे॥

> > वैम्-एम्-मप्-पियालन-मरा

© 9884655618 **1** © 8072613857 **2** vdspsabha@gmail.com **3** vdspsabha.org

भङाकुभुधविष्य-मनुष्ठिउ-भूपन-भामुछ्०द्वं यमेकु-द्रलप्पृष्टुद्वभा उभा ६किष्य हाक्वण्यय मभूम्मा न भभा

यक्-उर्गणभा

To nullify the sins caused because we mix the dirt such as sweat from our body into the punya tirthas, recite the following shloka, take water with both hands once and do tarpana to Yakshma devata.

> यन्य ६ पिउं उयं मारीय-भल-भक्त्याउ। उद्गा-दिध-परिकारा र्, वक्गापं उत्त्वा भूकभा॥

(एवं दिः)

भुउभा

भूग-भूति-मिडि-स्नूः मृतृ वे भु-उन् गुरु उर-म्रिउनं का कषा भानवानाभी। भ 5ुवि मुक्तुउ-करुः वाष्ट्रिउ वाप्रि-फुरुः एयि विर्टिं उ-यागः उति, - गर्णः प्यागः॥

> म् उः प्भातं भूउयः प्भातं पुरालभपूर्यपरं पुरालभी। यरुपि गङ्ग यभुना प्भालं म डीर्-गार्पे एचडि प्यागः॥

> न यउ वेगा प्रराप-प्रीका न यइ यह दि-विमिध-मीक्। न उपक-स्न-ग्रैः म्पेक् म उीर्-ग रे एयि प्या गः॥

ग्रिगं निवामं न मभीबड यः उप्पर-गिरः प्रप्रां का भागा। यः काभिउ ग्रंस एका ये पंभां म डीरू-गर्ए एवडि प्यामः॥

उी प्रवली यमु उ कक्ष-रु ग मानवली वक्षित्र पामभूल। वुरावली मिषिल-ग्राफ-भूल भ उीरू-राप्टें एविंड प्यागः॥ वॅ़ द्र- ए र्-मा भ्-परि पाल न-म रा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

यर भुरानं न यभे नियरा ये भिरानं भगित-प्रारा यश्मिशनभा मभ्य-प्राश भ उीर्-राप्टे एवडि प्यागः॥

भिउ भिउ वर् उर इ-गाभर नम्रे विरुउ भूति-रुन्-कनृक। नीलाउपउं वए एव भाषाउ भ उीर्-राप्टे एचिउ प्यागः॥

मभरुलभा

कचिन वाग्रा भनमित् चैता ब्रम्टु अञ्चन वा प्तुउ: भ्रेष्टा वा उत्ता करें भियम् यरा मकलं परमू नगरवल्ण्चिंडि मभगुवाभि॥

यनेन भया क्रुन भन्न-कुभु-पत्राण प्याग-बुरु भानेन डीग्र-गाए-भुग्रुपी परभाञ्च भुपीडः म्प्भने वर रे रुवउ॥



वैर्-णग्न-माभु-पिर्यालन-मरा

a

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

